साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

(क) विषय प्रवेश
साहित्यशास्त्र : स्वरूप, क्षेत्र और प्रयोजन
संस्कृत काव्यशास्त्र के विकास की रूपरेखां
पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास की रूपरेखा
(ख) भारतीय साहित्य सिद्धान्त
रस सिद्धान्त का काव्यशास्त्र और मनोविज्ञानशास्त्र के संदर्भ मं विवचे न
आधुनिक काव्य के संदर्भ मं रस सिद्धान्त का मूल्यांकन
अलंकार सिद्धांत
ध्वनि सिद्धांत
रीति सिद्धांत
वक्रोक्ति सिद्धांत
औचित्य सिद्धांत
(ग) पाश्चात्य काव्य सिद्धांत
- प्रेरणा सिद्धांत
- अनुकरण सिद्धांत
- औदात्य सिद्धांत
- कल्पनावाद
- आभिजात्यवाद
- स्वच्छन्दतावाद
- अभिव्यंजनावाद

सहायक पुस्तकें

1 भारतीय काव्य–शास्त्र की भूमिका : सम्पादक डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
2 संस्कृत आलोचना–बलदेव उपाध्याय : प्रकाशन ब्यूरो, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश ।
3 साहित्य विज्ञान : डॉ॰ गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेन्दु प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिंदी काव्य शास्त्र में रस–सिद्धांत : डॉ॰ सच्चिदानन्द चौधरी, अनुसंधान प्रकाशन, दिल्ली ।
5 रस–सिद्धान्त : डॉ॰ नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
6 हिंदी काव्य शास्त्र में कविता का स्वरूप : विकास–डॉ॰ पुष्पा बंसल ।
7 रस–सिद्धान्त का पुनर्विवेचन : डॉ॰ गणपति चन्द्र गुप्त, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
8 पाश्चात्य काव्य–शास्त्र : सिद्धान्त और वाद : सम्पादक–डॉ॰ नगेन्द्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
9 पाश्चात्य काव्य–शास्त्र : दृष्टि और दर्शन : डॉ॰ पुष्पा बंसल, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।
10 समीक्षालोक : डॉ॰ भगीरथ दीक्षित, समुदाय प्रकाशन, बम्बई ।

REGISTRAR
HIMALAYAN GARHWAL UNIVERSITY
DHAID GAON, POKHRA, PAURI GARHWAL
UTTARAKHAND

11 नीति विज्ञान : डॉ॰ विद्या निवास मिश्र, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
12 शैली विज्ञान : डॉ॰ नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
13 संस्कृत काव्य शास्त्र : कोण और दिशाएँ : डॉ॰ पुष्पा बंसल, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।

निर्देश –

पूरे पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को कोई चार प्रश्न करने होगं । प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक पश्र न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हते ु परीक्षार्थी को किन्ही दो निर्धारित विषया पर आलखे ा एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं ।

RE NIVERSITY
HIMALAYAN C GARHWAL
DHAID GAON